आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 15.06.2026 समय : 1905

- स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको ने भारत की आर्थिक वृद्धि और डिजिटल परिवर्तन की खुलकर प्रशंसा की है। द्विपक्षीय वार्ता के दौरान दोनों देशों ने रक्षा क्षेत्र में आशय पत्र पर भी हस्ताक्षर किए।
- प्रधानमंत्री नरेद्र मोदी कल फ्रांस के एवियन में बावनवें जी–7 शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे।
- यात्री सुविधा दिवस पर राजधानी श्री विजयपुरम के वीर सावरकर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर यात्रियों की सेवा और सुरक्षा का संदेश दिया गया।
- खेत बचाओं अभियान के अंतर्गत द्वीपीय कृषि को सशक्त बनाने के लिए नवाचार आधारित खेती को अपनाने की अपील की गई।

<><><><><><><>

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको ने आज स्लोवाकिया के ब्रातिस्लावा में प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की। वार्ता के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि दोनों देशों ने संबंधों को व्यापक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग गहरे आपसी विश्वास और रणनीतिक अभिसरण का प्रमाण है। श्री मोदी ने कहा कि दोनों देशों ने रक्षा क्षेत्र में आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं। उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता का भविष्य न केवल नवाचार पर, बल्कि विश्वास, जिम्मेदारी और मानवीय गरिमा पर भी आधारित होना चाहिए। श्री मोदी ने कहा कि डिजिटल प्रौद्योगिकी पर आज हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन दोनों देशों के बीच सहयोग के नए द्वार खोलेगा। इस अवसर पर श्री रॉबर्ट फिको ने भारत की तीव्र आर्थिक वृद्धि, डिजिटल परिवर्तन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता में हुई प्रगति की सराहना करते हुए कहा कि उसने कई प्रमुख क्षेत्रों में उन्नत देशों को पीछे छोड़ दिया है। उन्होंने कहा कि भारत को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्य के रूप में शामिल किया जाना चाहिए।

<><><><><><><>

बावनवां जी–7 शिखर सम्मेलन आज से फ्रांस के एवियन शहर में शुरू हो रहा है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों आज जी–7 देशों के नेताओं के साथ यूरोपीय परिषद और यूरोपीय आयोग की

अध्यक्ष का भी औपचारिक रूप से स्वागत करेंगे। भारत, ब्राजील, दक्षिण कोरिया, केन्या और मिस्र, यूक्रेन, कतर तथा संयुक्त अरब अमीरात को भी शिखर सम्मेलन के लिए आमंत्रित किया गया है। फ्रांस की अध्यक्षता में हो रहे बावनवें जी–7 शिखर सम्मेलन में कुछ प्राथमिकताएं तय कर दी गई है। इसमें आर्थिक असंतुलन को कम करना, साझा विकास को बढ़ावा देना और अंतर्राष्ट्रीय साझेदारियों को नया स्वरूप देना शामिल है। इसके अलावा महत्वपूर्ण और खनिज आपूर्ति श्रृंखलाओं को अधिक मजबूत बनाने, ऑन लाइन प्लेटफार्म पर नाबालिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा प्रमुख भू–राजनीतिक संकटों के समाधान पर भी चर्चा होने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए कल इवियान पहुंचेंगे। उल्लेखनीय है कि जी–7 शिखर सम्मेलन में यह भारत की 13वीं भागीदारी होगी। जबकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगातार 7वीं बार इसमें हिस्सा लेंगे।

<><><><><><><>

ब्रिटेन में 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने इस कदम को एक बड़ा क्षण बताया। ब्रिटेन की सरकार ने कहा है कि वे सोशल मीडिया पर पूर्ण प्रतिबंध से कहीं आगे बढ़कर 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए लाइवस्ट्रीमिंग और अजनबियों से बातचीत जैसी हानिकारक गतिविधियों को रोकेगी। आधिकारिक बयानों के अनुसार, ये प्रतिबंध गेमिंग साइटों सहित बहुत सी ऑनलाइन सेवाओं पर लागू होंगे।

<><><><><><><>

वीर सावरकर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे में आज यात्री सुविधा दिवस मनाया गया। इस दिवस को मनाने का उद्देश्य यात्रियों को यह संदेश देना है कि हवाई अड्डा प्रशासन उनकी सुविधा, सुरक्षा और समय बचत को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है। इस अवसर पर यात्रियों की सुविधा, आधुनिक सेवाओं और हवाई अड्डे पर उपलब्ध बेहतर व्यवस्थाओं को प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया। इस तरह के कार्यक्रम देशभर के कई हवाई अड्डों पर भी आयोजित किए जा रहे है। हवाई अड्डा प्राधिकरण के अनुसार बीते वर्षों में वीर सावरकर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बुनियादी ढांचे और यात्री सेवाओं में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। यात्रियों की सुगम आवाजाही, तेज़ सुरक्षा जांच, डिजिटल सेवाएं और बेहतर सुविधाओं ने हवाई यात्रा के अनुभवों को और अधिक सहज बनाया है। यात्री सुविधा दिवस के दौरान यात्रियों का स्वागत पारंपरिक तरीके से किया गया। वरिष्ठ नागरिकों को सम्मान, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ और जनहित से जुड़े कार्यक्रमों के

आयोजन भी हुए। वीर सावरकर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के निदेशक मुनीर मदम्पत ने इस दिवस के बारे में जानकारी दी।

बाइट– निदेशक मुनीर मदम्पत– 35 से.

<><><><><><><>

देशव्यापी "खेत बचाओ अभियान" के तहत आईसीएआर–केंद्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान एवं कृषि विज्ञान केंद्र, दक्षिण अंडमान द्वारा कल जिला परिषद सदस्यों और प्रगतिशील किसानों के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, नवीन कृषि तकनीकों, टिकाऊ खेती और किसानों के लिए उपलब्ध सरकारी योजनाओं के प्रति जागरुकता बढ़ाना था। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संस्थान के निदेशक डॉ. जय सुंदर ने कहा कि अंडमान–निकोबार के किसान नवाचार आधारित खेती में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने अधिक वर्षा की समस्या से निपटने के लिए पॉलीहाउस खेती तथा मृदा संरक्षण हेतु ऊंचे क्षेत्रों में बांस रोपण को बढ़ावा देने पर जोर दिया। कृषि विज्ञान केन्द्र, दक्षिण अंडमान के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. वाई. रामकृष्ण ने किसानों को हर तीन वर्ष में मृदा परीक्षण कराने और जैव उर्वरकों के उपयोग को अपनाने की सलाह दी। पद्मश्री सम्मानित "नारियल अम्मा" कमाची चेल्लम्मल सहित कई प्रगतिशील किसानों ने अपने अनुभव साझा किए।

<><><><><><><>

पशुपालन एवं पशु चिकित्सा सेवा निदेशालय की ओर से भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा राष्ट्रीय दिव्यांगजन सशक्तिकरण पुरस्कार–2026 के लिए नामांकन और आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। ये पुरस्कार भारत सरकार द्वारा प्रतिवर्ष दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य और उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तियों, संस्थानों तथा संगठनों को सम्मानित करने के लिए प्रदान किए जाते हैं। नामांकन और आवेदन ऑनलाइन माध्यम से राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल पर जमा किए जा सकते हैं। ऑनलाइन नामांकन प्रक्रिया 15 जुलाई तक जारी रहेगी। निदेशालय ने पात्र व्यक्तियों, संस्थानों, संगठनों तथा अन्य हितधारकों से निर्धारित अवधि के भीतर अपने नामांकन और आवेदन प्रस्तुत करने की अपील की है। पुरस्कार से संबंधित विस्तृत दिशा–निर्देश एवं पात्रता मानदंड राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल तथा दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

<><><><><><><>